राजस्थान सरकार

निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाए / 71473-505

क्रमांक: F 11/मो०/कोविड-19 III rd लहर/बच्चों का सर्वे/2021-22 दिनांक: 7/6/2021

समस्त उपनिदेशक,

महिला एवं बाल विकास विभाग

राजस्थान

विषय: कोविड-19 महामारी की संभावित तीसरी लहर से बच्चों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक उपाय एवं सर्वे कार्य योजना बाबत्।

उपरोक्त विषयान्तर्गत जैसा कि आपको विदित है कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर चरम पर है जिसने सम्पूर्ण भारत में अत्यधिक चिन्ताजनक परिस्थितियां उत्पन्न कर दी हैं अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कोरोना की तीसरी लहर दस्तक कभी भी दे सकती है, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा आशंका जताई गई है कि बच्चों में भी संक्रमण की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वर्तमान में कोरोना रोकथाम हेतु कोरोना के टीकाकरण की समुचित व्यवस्था बच्चों हेतु अभी नहीं की गई है, इस स्थिति में तीसरी लहर से बच्चों को संक्रमण से बचाने के लिए अभी से कुछ उपाय करने होगें। इस संदर्भ में कोरोना की तीसरी लहर के विनाशकारी परिणामों से बच्चों को बचाने हेतु निम्नलिखित सुरक्षात्मक उपायों को अपना कर कोरोना की संभावित तीसरी लहर से बच्चों में संक्रमण रोकने हेतु आपसे निवेदन है कि निम्नलिखित सुरक्षात्मक उपायों का पालन करवाया जाना सुनिश्चित करावें–

पत्र के साथ परिशिष्ट अ के अंतर्गत सामान्य निर्देश भी दिए गए है।

सभी आंगनवाडी केन्द्रों पर सभी बच्चों (6-59 माह) का निम्न प्रारूप में बच्चों का सर्वे किया जावे।

क्र स	परियोजना का नाम	सैक्टर का नाम	आंगनवाडी केंद्र का नाम	बच्चे का नाम	आयु	माता/पिता का नाम	माता/पिता मोबाईल	ग्रोथ चार्ट के अनुसार पोषण की स्थिति (हरा/पीला/नारंगी)	भुजा माप (MUAC) के अनुसार पोषण की स्थिति (हरा/पीला/लाल)	चिकित्सकीय जटिलता /सर्दी, खांसी, बुखार	PHC /CHC /MTC रेफर	PHC /CHC/-MTC से डिस्चार्ज होने पर फॉलोअप

कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति की निगरानी के लिए उक्त सर्वे किया जाना आवश्यक है जिसके अंतर्गत प्रतिदिन कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगिनी प्रति आंगनवाडी केंद्र कम से कम पांच-पांच बच्चों (6-59 माह) के घर जाकर गृह भ्रमण किया करें तथा गृह भ्रमण के दौरान बच्चों का फ़ॉलोअप भी सुनिश्चित करें।

बच्चों की वृद्धि निगरानी (6 माह से 59 माह) –

आंगनवाडी केंद्र स्तर पर निम्न सूचना संधारण कर साप्ताहिक रूप से निम्न प्रारूप में परियोजना वार संकलित कर सूचना निदेशालय को प्रेषित की जानी है।

जिला	परियोजना	कुल बच्चों की संख्या	वजन लिए गए बच्चे				MUAC माप किये गए बच्चे				फ़ॉलोअप			
			वजन लिए किये गए बच्चों की संख्या	अति कम वजन वाले बच्चों की संख्या (नारंगी)	कम वजन वाले बच्चों की संख्या (पीला)	सामान्य वजन वाले बच्चों की संख्या (हरा)	वजन लिए किये गए बच्चों की संख्या	अति गंभीर कुपोषित वाले बच्चों की संख्या (लाल)	मध्यम कुपोषित वाले बच्चों की संख्या (पीला)	सामान्य वाले बच्चों की संख्या (हरा)	कुल अति कम वजन व अति गंभीर कुपोषित बच्चे की संख्या	चिकित्सकीय जटिलता /सर्दी खांसी वाले बच्चों की संख्या	PHC/ CHC /MTC रेफर किये गए बच्चों की संख्या	PHC CH M डि बच से फो प ग बच की सं

परामर्श के सामान्य बिंदु

आंगनवाडी केंद्र के सभी बच्चों के परिवारजनों को गृह भ्रमण के दौरान कोरोना गाइडलाईन की समझाईस करें एवं निम्न जानकारी दिया जाना सुनिश्चित करें।

- अति कम वजन एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों को एएनएम से चिकित्सकीय जटिलता एवं भूख की जाँच कारवे तथा चिकित्सकीय जटिलता वाले एवं भूख जाँच में असफल बच्चों को PHC/CHC/MTC रेफर कर डॉक्टर से परामर्श दें।
- जिन बच्चों (अति कम वजन एवं अति गंभीर कुपोषित) में कोई चिकित्सकीय जटिलता नहीं हो एवं भूख जाँच में सफल हो, उन बच्चों की घर पर ही देखभाल (अम्मा कार्यक्रम) की करें।
- सामान्य एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की देखभाल(अम्मा कार्यक्रम), परामर्श ,पूरक पोषाहार , आहार व्यवहार ,स्वच्छाता की प्रभावी और सतत निगरानी करें और स्थानीय उपलब्ध स्रोतों से घर में बना गुणवत्ता के उम्र ,खाना युक्त विविधता ,अनुसार मात्रा घी/तेल या चीनी/गुड व , । जावे दिया बढाकर पोष्टिकता मिलाकर
- अति गंभीर कुपोषित व मध्यम कुपोषित बच्चों की कुल संख्या का आधा कार्यकर्त्ता व कुल संख्या का आधा आशा प्रतिदिन फ़ॉलोअप करेगी ।
- संलग्न प्रारूप के अनुसार सभी जिले साप्ताहिक सूचना निदेशालय को सूचना प्रेषित करेंगे ।
- नवजात शिशुओं की माताओं से आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता लगातार संपर्क में रहे।

- ग्रामीण क्षेत्रो में छोटे बच्चों के बीमार होने पर स्थानीय देवता , झाड़फूंक ,टोना टोटका का प्रचलन होता है जिससे बीमारी और बढ़ जाती है और बच्चे गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुचते है ऐसी स्थिति से बचने के लिए जैसे ही बच्चा बीमार हो तुरंत अस्पताल ले जाने की सलाह दें।
- गृह भ्रमण के दौरान ओआरएस व जिंक के पैकेट्स एएनएम के माध्यम से उपलब्ध कराएँ।
- बच्चों में कोरोना सम्बंधित लक्षण पाये जाने पर तुरंत अस्पताल ले जाने की सलाह दें।
- बच्चों में संक्रमण होने पर परिवारजनों को मास्क ,दो गज की दुरी ,सेनीटाईजर हाथधुलाई ,पोष्टिकखाना ,स्वच्छता आदि के बारे में अच्छी तरह सलाह दें।
- अति गंभीर कुपोषित बच्चों के परिवारों को 104/108 एम्बुलेंस की जानकारी दें।
- बच्चों के परिवारजनों को कोरोना गाइड लाईन की जानकारी दें और समझाईस करें।
- कोविड वैक्सिनेसन के लिए 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग को प्रेरित करें

संलग्नक– परिशिष्ट –अ

निदेशक
समेकित बाल विकास सेवाएं
राजस्थान सरकार

क्रमांक: 71506–07 दिनांक: 7/6/2021

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :–

1. विशिष्ट सहायक, माननीय मंत्री महोदया, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।
2. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान।

निदेशक
समेकित बाल विकास सेवाएं
राजस्थान सरकार

परिशिष्ट –अ

सामान्य निर्देश

लाभार्थी	विषय	कार्य बिंदु
धात्री माँ	गृह आधारित देखभाल	• धात्री माँ को दिन में कम से कम 3 मुख्य भोजन और 3 पौष्टिक स्नैक्स/नास्ते का सेवन करना चाहिए। • धात्री माँ प्रसव से लेकर के 6 माह तक एक आयरन की गोली का सेवन करें। आयरन की गोली रात के भोजन के बाद, पानी या खट्टे फल और नींबू पानी से लें तथा रोजाना कैल्शियम की गोलियों का भी सेवन दिन के भोजन के साथ या बाद में करें। • आयरन और कैल्शियम की गोलियों का एक साथ सेवन नहीं करें। • शराब तम्बाकू और अन्य नशीले पदार्थों से परहेज करना चाहिए। • स्तनपान कराने वाली माँ को व्यक्तिगत स्वच्छता सुनिश्चित करनी चाहिए (शिशु को पकडने से पहले और बाद में, स्तनपान कराने से पहले, खाना पकाने से पहले, भोजन करने से पहले, शौचालय का उपयोग के बाद, नाखूनों को काटने के बाद) साबुन पानी से 40 सेकंड तक हाथ धोना चाहिये हमेशा शौचालय और साफ पेयजल का उपयोग,सक्रमण से बचाव के लिए करना चाहिए। • स्तनपान नवजात के जीवन को बेहतर बनाता है और जीवनभर उसके अच्छे स्वास्थ्य और सही शारीरिक व मानसिक विकास में मदद करता है। शिशु के संपूर्ण विकास सुनिश्चित करने के लिए, पौष्टिक भोजन के साथ, भावनात्मक रूप से भी शिशु को संबल प्रदान करने की आवश्यकता है। शिशुओ को हर समय सुरक्षित महसूस करवाते रहे और भरपुर स्नेह व प्यार से स्तनपान करवाएं। परिवार के सभी बड़े लोग भोजन करवाते और खाते समय इन निर्देशों का पालन रखे। • संक्रमित माँ या वह माँ जिनमें कोविड19- की संभावना है 19-कोविड सक्रिय में दूध के माँ उस,वायरस 19-कोविड अतः है। बराबर के नहीं सम्भावना की (विषाणु वाला करने पैदा संक्रमण)संक्रमण माँ के दूध से या स्तनपान करवाने से नहीं फैलता है इसलिये बच्चे को लगातार स्तनपान करवाना चाहिए। स्तनपान से माँ के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। यदि माँ कोविड 19-संक्रमित है स्तनपान भी तब, दर मृत्यु बाल स्तनपान कि हैं बताते शोध वाले गुणवत्ता उच्च क्योंकि ,चाहिए रखना जारी करवाना नवजा में हालातों आर्थिक और भौगोलिक सभी और है करता कम कोत के अच्छे स्वास्थ्य और विकास में मदद करता है। • यदि माँ को कोविड 19-होने की संभावना या संक्रमण है जैसे चाहिए अपनाने उपाय स्वच्छता उसे तो, -एल्कोहल या धोएँ हाथ तक सेकंड 40 से पानी और साबुन से रूप नियमित पहले से छूने को बच्चे हर करें। उपयोग का हैंडरब आधारित थोडी रहें। धोते हाथ से पानी और साबुन भी में देर थोड़ी– • बच्चे को अपना दूध पिलाते समय मेडिकल मास्क पहनें। लेकिन यदि वह उपलब्ध नहीं है, तो माँ मुँह और नाक को साफ कपड़े या रूमाल से ढक कर बच्चे को स्तनपान करवाएँ। • स्तनपान करवाने वाली माताएं जिनको कोई लक्षण हैजै ,से जुकाम और की सूंघने ,दर्द मे गले ,खांसी , ,आना नहीं स्वाद दस्त, उल्टी, पेट में दर्द या सांस उखड़ना या किसी कोविड 19-मरीज़ के संपर्क में आये हैं या संक्रामित हो गई हैं और चाहिए देनी कर शुरू देखभाल चिकित्सकीय जल्दी से जल्दी उन्हें, सुझाव/हिदायतों सभी हुई बताईो का पूरा पालन करना चाहिए। • अगर कोविड 19-संक्रामित माता स्तानपन कराने में सक्षम नहीं है तो स्वच्छता की उपरोक्त सभी बातों

		का पालन करते हुए स्तन से दूध, साफ धूली हुई कटोरी में निकाल कर जा पिलाया को शिशु से चम्मच, है। सकता • स्तन से दूध निकालने से पहले माँ अपने हाथ साबुनधोये। तक सेकेंड 40 तरह अच्छी से पानी- • अगर माता बहुत कामजोर है और स्तन से दूध नहीं निकाल सकती है तो, मदर्स मिल्क बैंक से या कोई अन्य कोई धात्री माता जो कोविड19- से संक्रमित नहीं हैं सकती पिला को शिशु कर ले दूध का माँ उस, हैं। • शिशु या माँ में से किसी में भी कोविड के लक्षण है या पुष्टि हो चुकी है, या कोई और बीमारी है, ऐसी दशा में भी माँ को आवश्यक बिन्दुओं का पालन करते हुए स्तनपान जारी रखना चाहिए। • गीले मास्क का उपयोग दोबारा न करें। मास्क गीला होते ही बदला जाए। • मास्क का तुरंत निपटान किया जाए। • मास्क हटाते समय उसे सामने से नहीं बल्कि इलास्टिकहटायें। कर पकड़ से पीछे को हिस्से वाले डोरी/ • खाँसते या छींकते समय टिशू या रूमाल का उपयोग करें ढक्कन बंद को टिशू बाद तुरंत के उपयोग, ,में जगह खुली और धोएँ से पानी व साबुन तरह अच्छी को रूमाल और डालें में कूड़ेदान वाले धूप में सुखायें। • हाथों को साबुन और पानी से लगातार धोते रहे या एल्कोहलकरें। उपयोग का हैंडरब आधारित- • हर दिन घर या उपयोग वाले सभी सतहों को अच्छी तरह साफ कर कीटाणुरहित करें।
नवजात शिशु	गृह आधारित देखभाल एवं स्तनपान प्रोत्साहन	• कोविड-19 महामारी काल में कई प्रसूती महिलाओं में संक्रमण के डर से शिशु को स्तनपान नहीं करा रही है उन्हें निम्न सलाह जरुर दें । • जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और विशेष रूप 6 महीनों तक से केवल स्तनपान की आदत डालें • शिशुओं के लिए स्तनपान (माँ का दुध) पोषण का सबसे अच्छा और मुख्य स्रोत है। माँ के दुध में कोविड-19 वायरस मौजूद होने के नहीं के बराबर साक्ष्य है, इसलिए स्तनपान को कोविड-19 स्थिति में भी जारी रखा जाएँ। • माँ के दूध में उपस्थित एंटीबॉडी शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। • यदि माँ को खांसी, बुखार या सर्दी-खांसी जैसे (ILI) कोई लक्षण हैं तो स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वह मास्क लगाते हुए तथा कोविड-19 की गाइडलाईन का पालन करते हुए स्तनपान करा सकती है। • स्तनपान कराने वाली माताओं को अपने नवजात शिशुओं से और संदिग्ध कोविड-19 माँ से अलग नहीं किया जाना चाहिए। संक्रमित माँ और उनके शिशु को दो गज की दूरी बनाए रखने की सिफारिश इसका अपवाद हैं। • यदि देखभालकर्ता कोविड-19 से संदिग्ध या संक्रमित हो तो शिशु को छूने से पहले साबुन से हाथ धोना,मुंह और नाक को मास्क से ढककर ही स्तनपान की सिफारिश की जाती है। • स्तनपान के दौरान श्वसन स्वच्छता बनाए रखने का आदत डाले। यदि आपको सांस की तकलीफ है तो जब आपके पास शिशु आये तब चिकित्सकीय मास्क का उपयोग करें। • यदि स्तनपान कराने में बिलकुल सक्षम नहीं है तो कटोरी चम्मच से दूध निकाल कर उसे पिला सकती है।
6-24 माह आयु के बच्चे	पूरक आहार	• 6 माह पूर्ण होते ही उपरी आहार शुरू दर दें, और 2 वर्ष की आयु तक ऊपरी आहार के साथ स्तनपान जारी रखें। • शिशु की बढ़ती उम्र के अनुसार स्तनपान (माँ का दुध) से शारीरिक आवश्यकता पूरी नहीं हो पति इसलिए ऊपरी आहार के साथ उम्र के अनुसार मात्रा बढ़ाते रहें छह माह पूर्ण होने पर स्थानीय उपलब्ध

शिशु		खाद्य पदार्थों से घर पर बनाया हुआ मसला हुआ जाना दिया साथ के स्तनपान आहार ठोस अर्द्ध/गाढ़ा, चाहिए। • पूरक आहार में बिस्कुट या पैकेट जंकफ़ूड का उपयोग ना करें और विविधतापूर्ण आहार आहार पूरक , ,चाहिए होना संतुलित जिसमें विभिन्न खाद्य समूहों ,अनाज) कंद, मूल, फल, पत्तियाँ,फलियां , नट्स,गिरी/ दूध और दूध से बने पदार्थ, मांसाहारी परिवारों के लिए खाद्य पदार्थ ,मछली-मांस) मुर्गी और अन्य उपलब्ध और अंडे है। शामिल भी (पीले युक्त ए-विटामिन) फल में आहार,सब्जियां और (• 6 से 8 महीने की उम्र के शिशुओं को प्रतिदिन 2 से 3 मुख्य भोजन की आवश्यकता होती है जबकि,9 से दिन प्रति जरूरतें की बच्चों के महीने 113 से 4 मुख्य भोजन तथा 1 से 2 अतिरिक्त स्नैक्स की नास्ता/ है। होती जरुरी भी • महीने 24-12 के बच्चों को दिन में 4 बार खिलाया जाए।
देखभाल कर्ता	व्यवहार परिवर्तन	• आहार के साथ स्वच्छता की आदत शामिल होनी चाहिए जैसे खाना तैयार करना, पकाना, भंडारण और खिलाना, भोजन करने से पहले या भोजन तैयार करने से पहले और शौचालय का उपयोग करने के बाद साबुन और पानी से हाथ धोना चाहिये • शिशु को भोजन अलग और साफ कटोरी चम्मच से खिलाना चाहिए। भोजन करने से पहले, शिशु के हाथ भी अच्छी तरह साबुन और पानी से धोने चाहिएमें दिनों के बिमारी ,, शिशु को स्तनपान एवं आहार अधिक मात्रा में कराना चाहिए और पे पदार्थ देना चाहिए।
6-59 माह के अति कुपोषित बच्चे	वृद्धि निगरानी	• प्रत्येक माह 6-59 माह के बच्चों का वृद्धि निगरानी की करें जिसके अंतर्गत निम्न शारीरिक माप लिया जाना सुनिश्चित हो ○ मासिक वजन-आंगनवाडी कार्यकर्त्ता द्वारा ○ मासिक ऊंचाई/लम्बाई- आंगनवाडी कार्यकर्त्ता द्वारा ○ पाक्षिक भुजा माप (MUAC)-आशा सहयोगिनी द्वारा

मापदण्ड	कुपोषित बच्चे की श्रेणी		
उम्र के अनुपात में वजन	SAM (लाल) (कुपोषित गंभीर अति)	UW(पीला) (कुपोषित मध्यम)	Normal (हरा) (सामान्य)
भुजा माप-	SAM (लाल) (कुपोषित गंभीर अति)	UW(पीला) (कुपोषित मध्यम)	Normal (हरा) (सामान्य)
लम्बाई के /ऊंचाई/ वजन में अनुपात	SAM (लाल) (कुपोषित गंभीर अति)	UW(पीला) (कुपोषित मध्यम)	Normal (हरा) (सामान्य)
उम्र के अनुपात में वजन	SAM (लाल) (कुपोषित गंभीर अति)	UW(पीला) (कुपोषित मध्यम)	Normal (हरा) (सामान्य)

• उपरोक्त कार्य में चिकित्सकीय जटिलता/इडिमा तथा भूख की जाँच का आंकलन एवं का सुपरविजन एएनएम द्वारा किया जावे

6-59 माह के अति कुपोषित बच्चे	अति कुपोषित बच्चों की देखभाल	• अति कुपोषित बच्चों की रोग की होने बीमार उनके से होने कमजोर इम्युनिटी/क्षमता प्रतिरोधक- की देने ध्यान विशेष पर निगरानी की बच्चों अतिकुपोषित इसलिए है होती अधिक बहुत सम्भावना चिकित्सकीय द्वारा एएनएम चाहिए। करनी पहचान तुरंत की बच्चों कुपोषित अति :अत आवश्यकता। जटिलता वाले अति कुपोषित बच्चों को तुरंत चिकित्सकीय परामर्श के लिए पीएचसी चाहिए। करना रेफर पर एमटीसी/सीएचसी/ • समुदाय में यदि कोई अति कुपोषित बच्चे हैं तो उनको निर्धारित मात्रा में उच्च उर्जा युक्त गुड ,तेल ,घी) जाए। दिया आहार पोषक (मिलाकर • किसी अति कुपोषित बच्चे में यदि कोई चिकित्सकीय जटिलता हैं तो जटिलता की पहचान करने हेतु

		क्षेत्र के ANM से अथवा PHC पर डॉक्टर से बच्चे की जांच करवाकर उसे MTC में रेफर किया जाए। • किसी अति कुपोषित बच्चे में यदि कोई चिकित्सकीय जटिलता नहीं हैं तो पहचान कर भूंख की जाँच करें। यदि बच्चा आसानी से आहार ले रहा है तो घर पर ही देखभाल करें (अनुसार के कार्यक्रम अम्मा) तो है रहा ले नहीं आहार से आसानी बच्चा यदि औरANM से अथवा PHC पर डॉक्टर से बच्चे की जांच करवाकर उसे MTC में रेफर किया जाए। • अति कुपोषित बच्चों के घर पर जाकर हर 15 दिन में आशा अथवा कार्यकर्त्ता द्वारा फॉलो किया अप- जाये। समझाया हेतु बनाने पोषाहार उचित को देखभालकर्ताओं उसके जाये। • MTC में भर्ती बच्चों में भी कोविड के लक्षणों की पहचान की जाये एवं आवश्यकता होने पर कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार जांच एवं उपचार किया जाये .MTC सञ्चालन में भी कोविड प्रोटोकॉल का पूरा ध्यान रखा जाये एवं 2 बेड के बीच में उचित दूरी रखी जाए व्यक्तिगत जाकर की नहीं काउन्सलिंग ग्रुप . जाए। की कॉउंसलिंग

6 माह से 24 माह के बच्चों के लिए आहार सारणी

आयु	आहार की किस्म	कितनी बार दें	मात्रा बार प्रत्येक -
माह 6	नरम दलिया, अच्छी तरह मसली हुई सब्ज़ियाँ, फल, मांस।	दिन में दो बार तथा थोड़ी बाद देर थोड़ी-स्तनपान।	दो। चम्मच के चाय भरे तीन-
माह 8-7	मसले हुई आहार।	प्रतिदिन तीन बार तथा थोड़ी-थोड़ी देर बाद स्तनपान।	धीरे एक हुए बढ़ाते मात्रा धीरे- -दो का कटोरी की मिली. 250 हिस्सा। तिहाई
माह 11-9	महीन काटा या मसला हुआ भोजन या वह भोजन जो शिशु स्वयं उठा कर खा सके।	प्रतिदिन मुख्य आहार तीन बार, एक अल्पाहार और स्तनपान जारी रखें।	एक का कटोरी की मिली. 250 हिस्सा। चौथाई-तीन
24-12 माह	परिवार का भोजन, आवश्यकतानुसार बारीक काटा या मसला हुआ।	प्रतिदिन मुख्य आहार तीन बार, दो अल्पाहार और स्तनपान।	एक पूरी कटोरी की मिली. 250 उससे याज़्यादा।
से माह 24 ऊपर	परिवार का भोजन	प्रतिदिन मुख्य आहार तीन बार, दो अल्पाहार	एक पूरी कटोरी की मिली. 250 ज़्यादा। उससे या

* एसीपी (उपनिदेशक) मुख्यालय - विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु।

महेश कुमार
संयुक्त निदेशक (मो.)
(आई. सी. डी. एस.)